

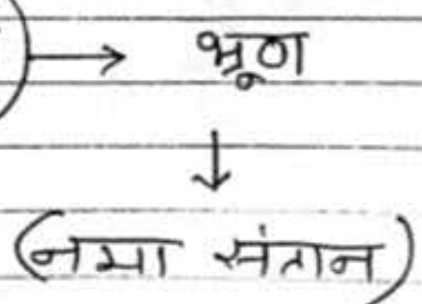
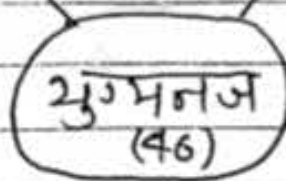
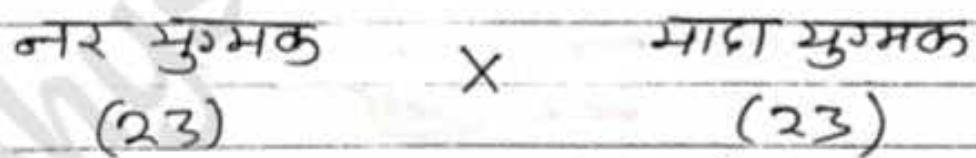
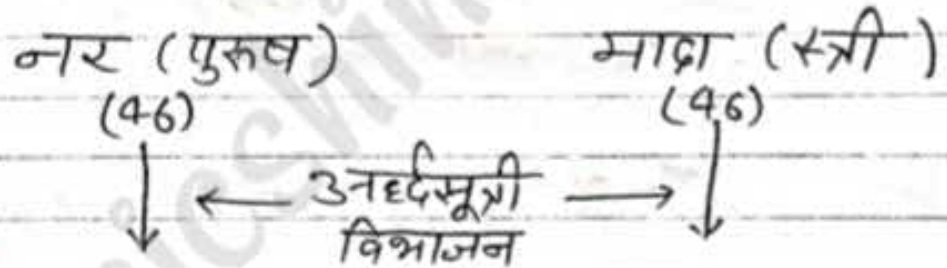
# LESSON-3

- National - ////  
Date: \_\_\_\_\_  
Page: \_\_\_\_\_

## मानव जनन [Human Reproduction]

★ मानव में जनन क्रिया लैंगिक रूप में होता है।

★ नर में नर युग्मक तथा मादा में मादा युग्मक का निर्माण होता है संलग्न की प्रक्रिया द्वारा भ्रूण का निर्माण होता है भ्रूण विकसित होकर संतान का निर्माण करता है



★ मानव जनन निम्नलिखित तीन प्रक्रमों में पूर्ण होता है।

[1.] निषेचन पूर्व घटना  
पूर्व निम्नलिखित दो घटनाएँ होती हैं।

[1] गुणकजनन [Gametogenesis] :-

नर व मादा में गुणकों का निर्माण ही गुणकजनन कहलाता है। मानव जनन में यह दो प्रकार का होता है।

(A) शुक्राणुजनन [Spermatogenesis] :-

नर में गुणक (शुक्राणु) का निर्माण शुक्राणुजनन कहलाता है। इसमें भाग लेने वाले अंग को पुरुष जनन तंत्र कहते हैं।

पुरुष जनन तंत्र [Male reproductive system]

दो भागों में पुरुष जनन तंत्र को विभाजित किया गया है।

[क] प्राथमिक लैंगिक अंग [Primary sex Organ]

इसमें युग्मक का निर्माण होता है  
ये मुख्य लैंगिक अंग होता है  
उदाहरण → वृषण (Testis)

[ख] सहायक या द्वितीयक लैंगिक अंग -

[Accessory or secondary sex organ]

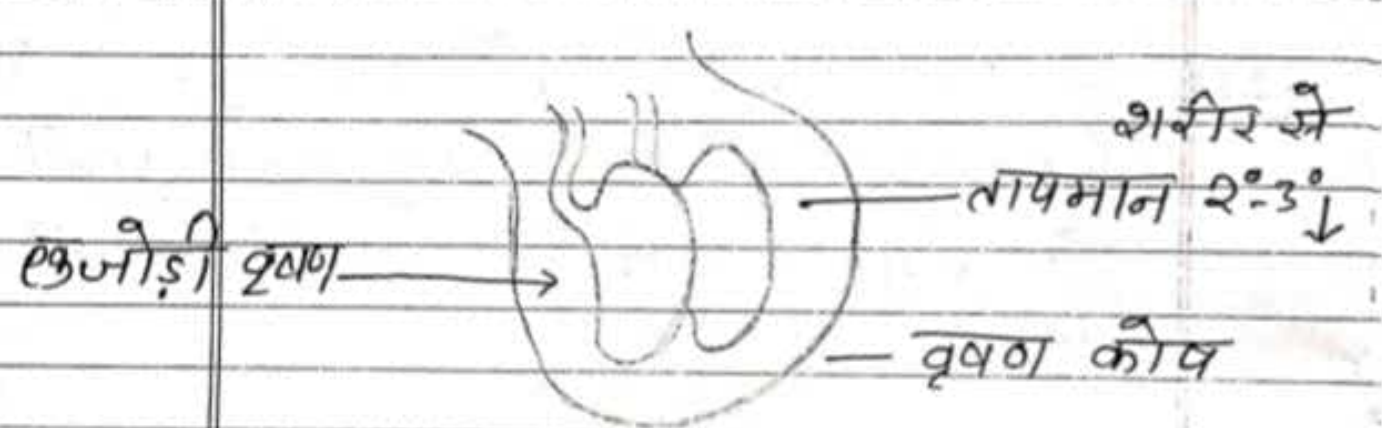
ये अंग मुख्यतः दो भाग में विभाजित होते हैं

(a) सहायक नलिकाएँ -

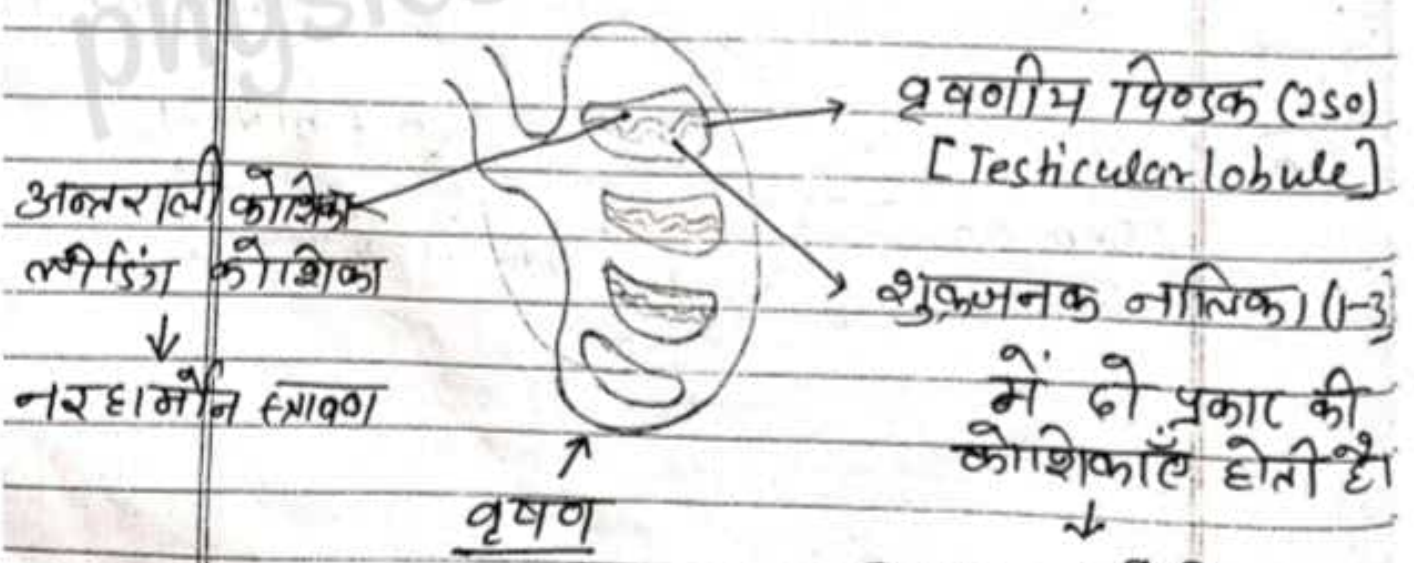
रीट टेस्टिस (Rete Testis), शुक्रवाहिका (Vasa efferentia),  
अधिवृषण, शुक्रवाहिनी (Vas deferens)

(b) सहायक ग्रन्थि - शुक्राशय,  
(Seminal vesicle), प्रोस्टेट ग्रन्थि (Prostate gland),  
वल्वी सुर चत्र

☆ वृषण [TESTIS] मनुष्य में  
 वृषण एक जोड़ी धैलीनुमा संरचना  
 से बने हुये शरीर के  
 बाह्य स्थित होता है।

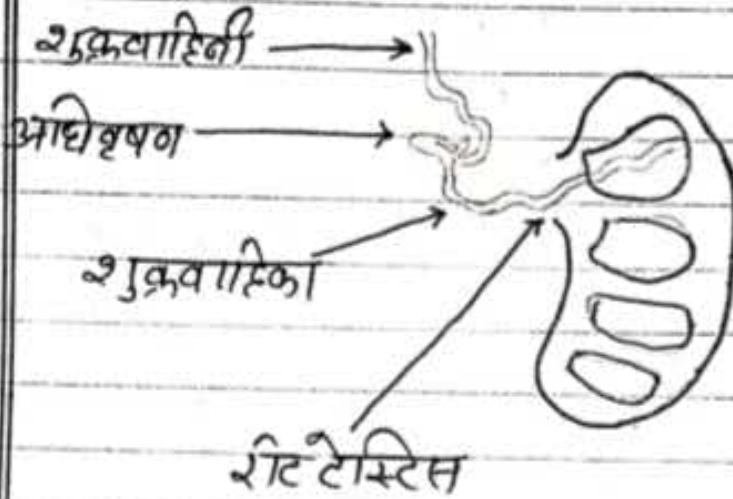


☆ एक वृषण की संरचना ↓



- ↓  
 ① शुक्रजन कोशिका  
 ② सर्टोली कोशिका

सहायक नलिकाएँ ↓



सहायक ग्रन्थि -

★ शुक्राशय [Seminal vesicle]

द्विपाक्षित चैलीनुमा संरचना में एक छोटी छेदों वाली नली है। इसमें वीर्य का आधिक्य भाग बनता है।

★ प्रोस्टेट

यह ग्रन्थि मूत्रमार्ग के अधर तल पर स्थित होती है। ये शारीर तल स्रावित करती है। यह मूत्रमार्ग की अम्लीयता को नष्ट करता है।

★ काउपर्स ग्रन्थि

ये एक जोड़ी होती है। यह मूत्रमार्ग की अम्लीयता को समाप्त करता है।

तथा यौनि भाग को चिकना बनाकर मैथुन में सहायक है।

☆

स्त्री जनन तंत्र [female Reproductive Organ]

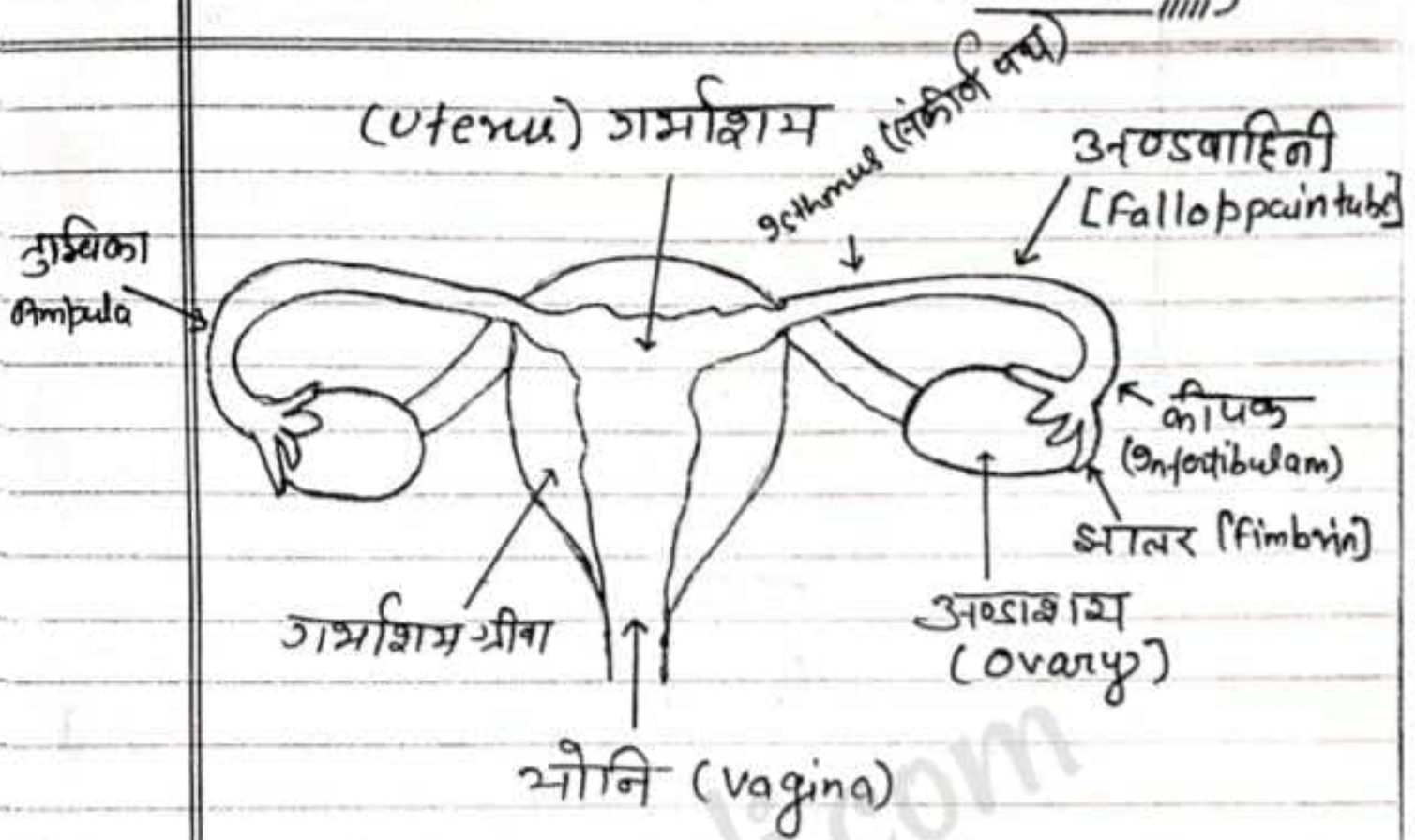
में भी दो भागों में विभाजित किया गया है।

(i) प्राथमिक जनन अंग - अण्डाशय

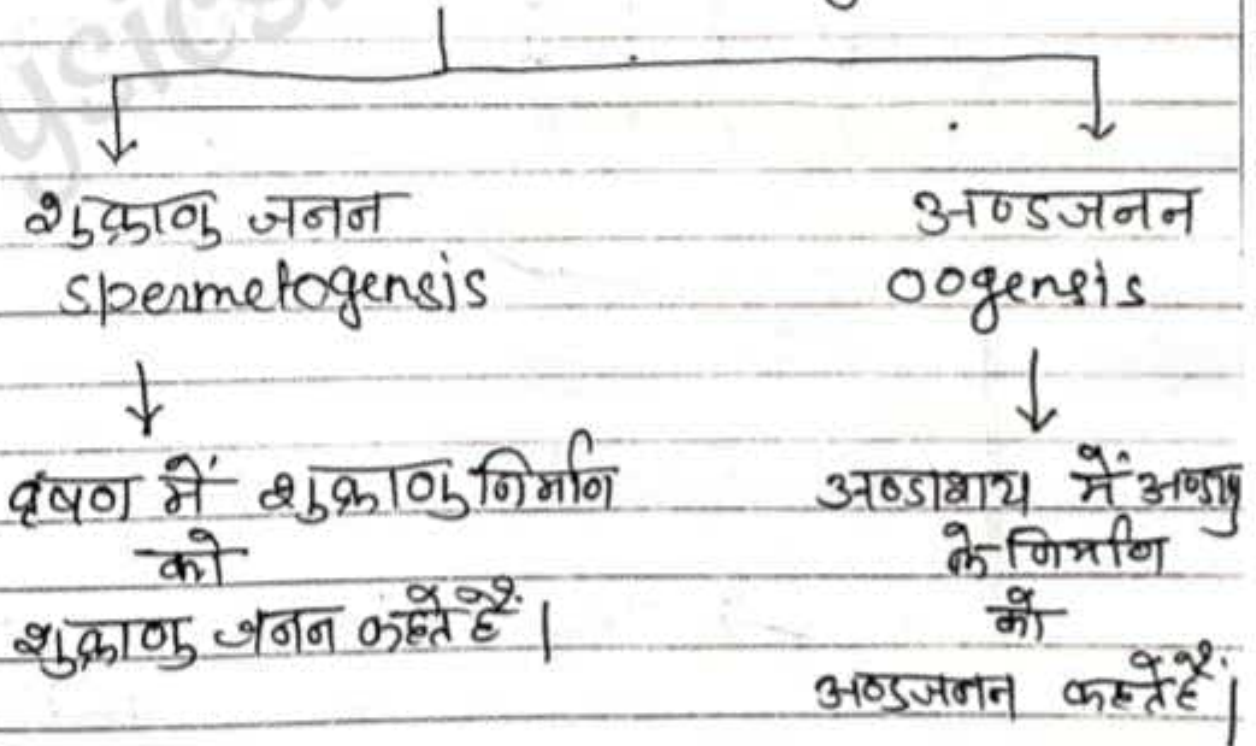
मादा में एक जोड़ी अण्डाशय गर्भाशय के दोनों तरफ होता है ये वृक्क के पीछे पेट भित्ति में जुड़ा होता है। अण्डाशय में परिधी की ओर ग्रॉफिमन कुरिकाएँ जिनमें अण्डाणु का निर्माण होता है।

(ii) द्वितीयक जनन अंग

- (A) गर्भाशय (ovary)
- (B) एक जोड़ी गर्भाशय कीवा
- (C) एक जोड़ी अण्डवाहिनी (oviduct)
- (D) एक यौनि (vagina)
- (E) बाह्य आननेन्द्रिया (External appendages)
- (F) एक जोड़ी लिंगग्रन्थि

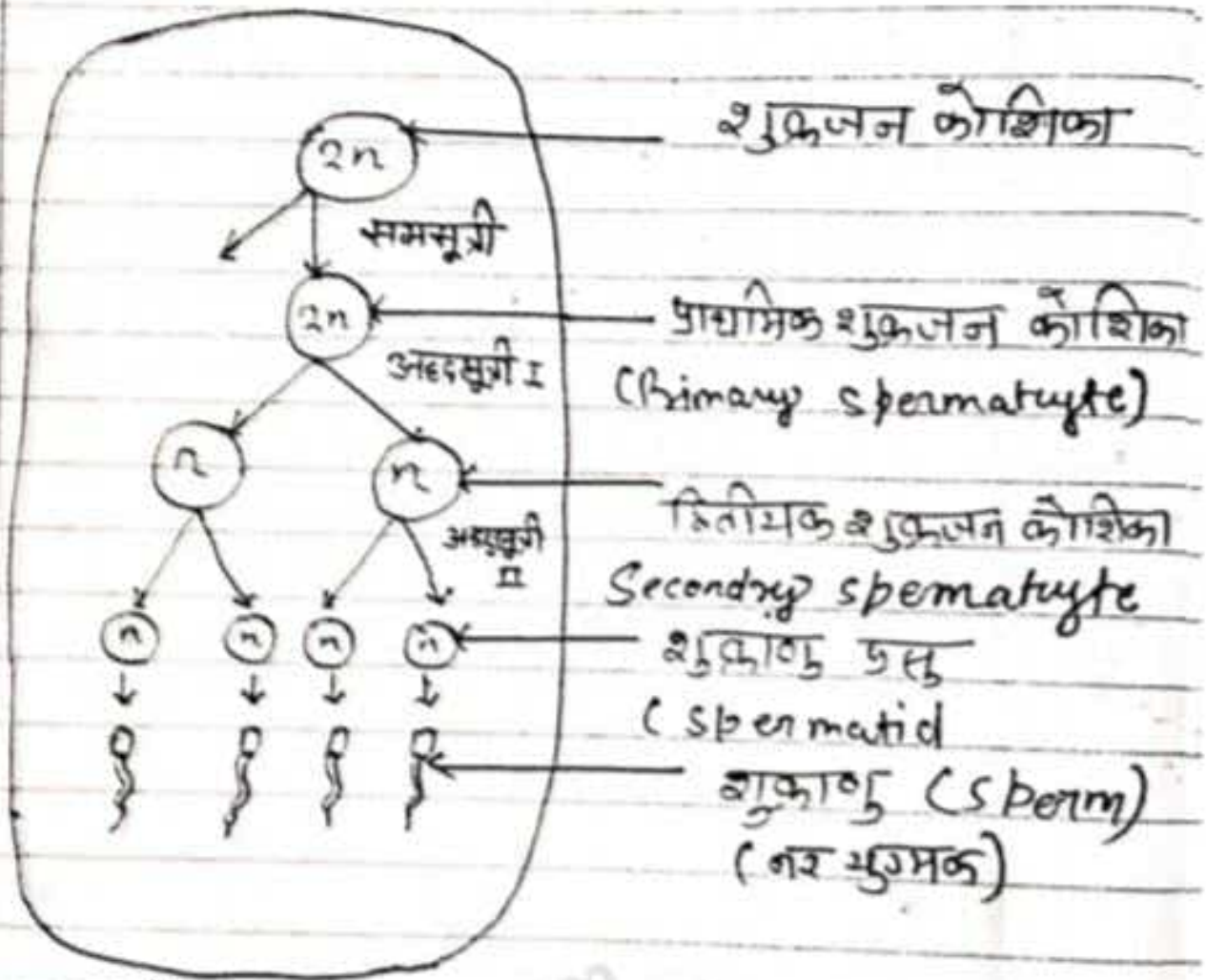


मुग्मकजनन [Meiosis]



## शुक्राणु जनन

### [ SPERMATOGENESIS ]

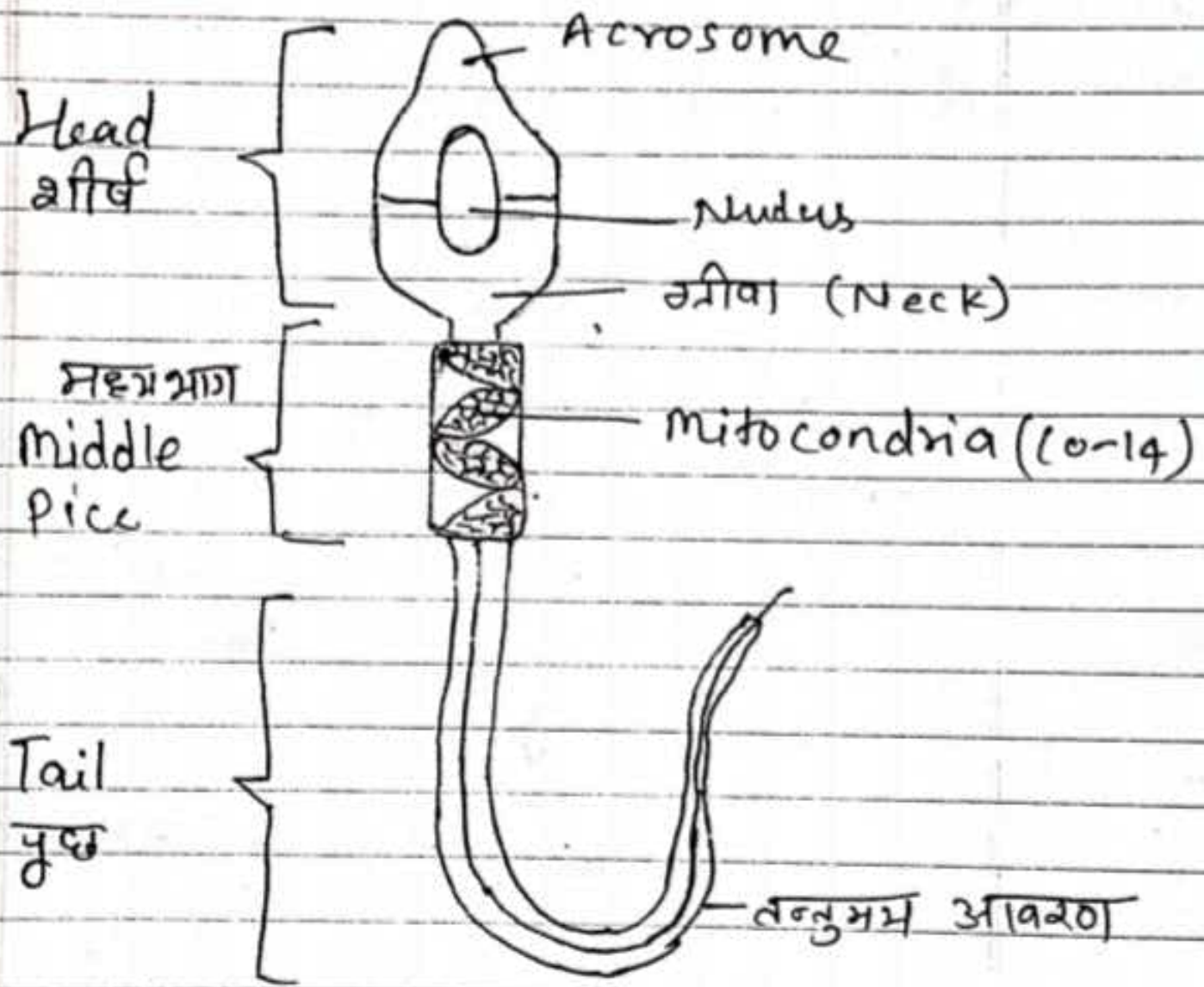


अन्तराली कोशिका

↳ Testosterone को उत्पन्न करती हैं।



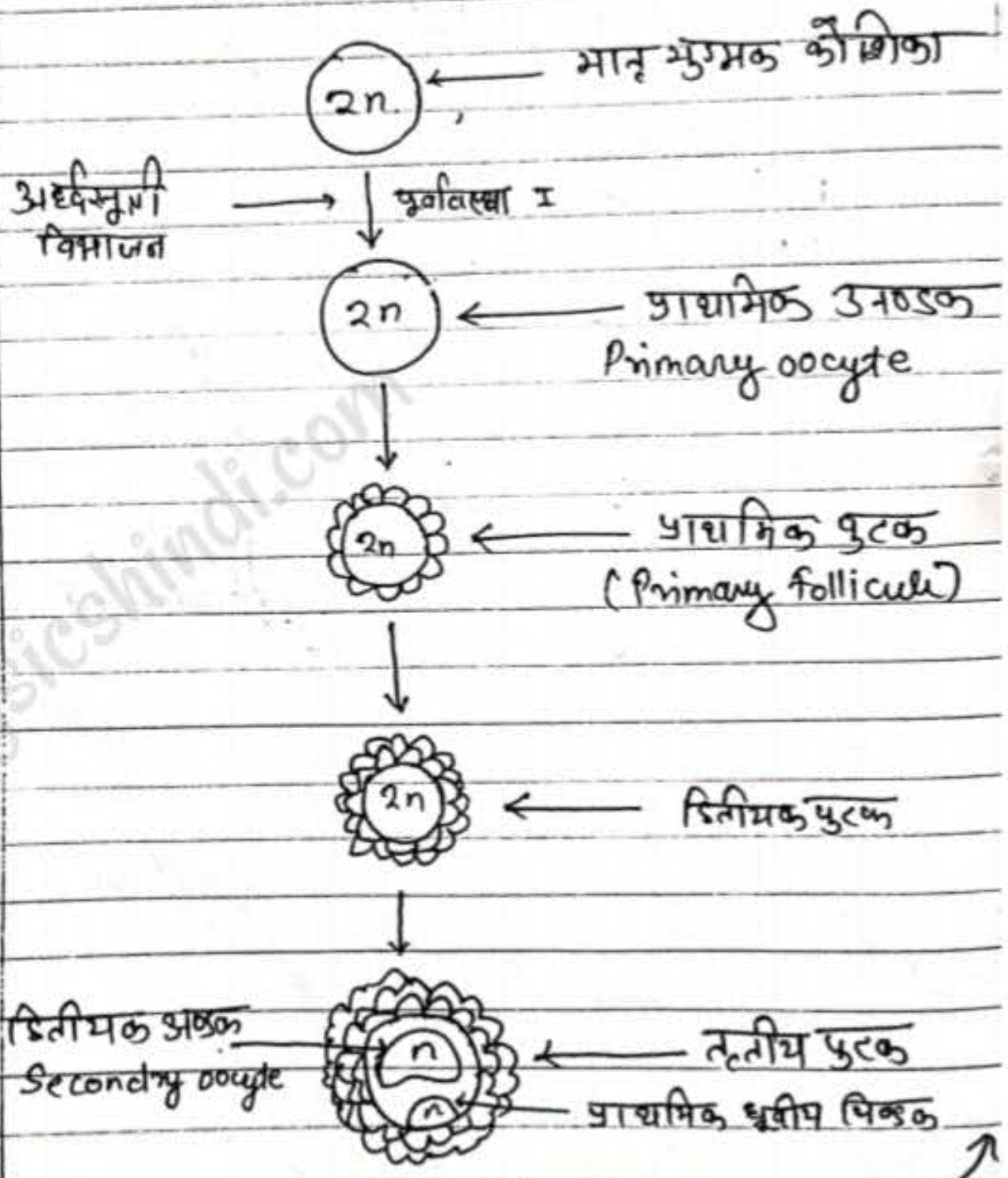
# शुक्राणु की संरचना

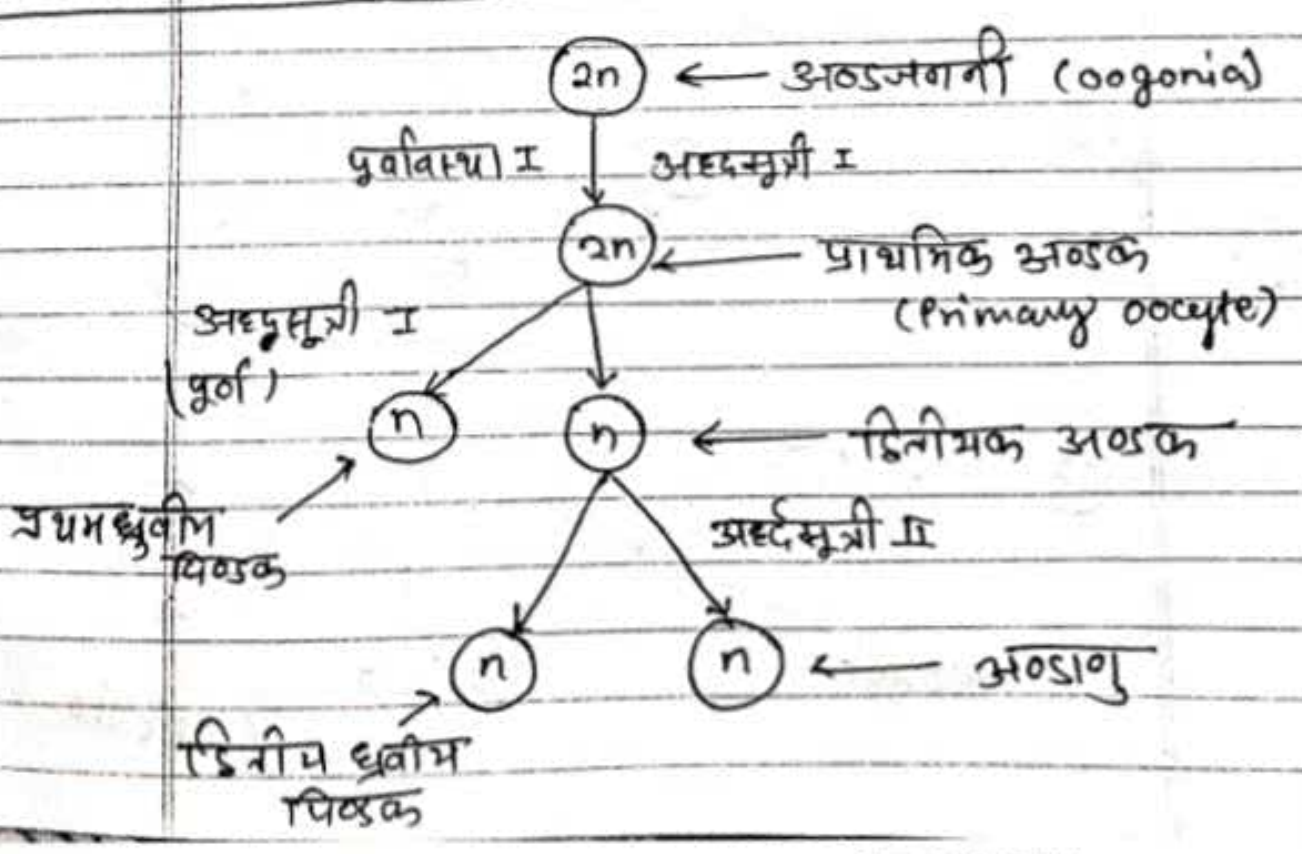
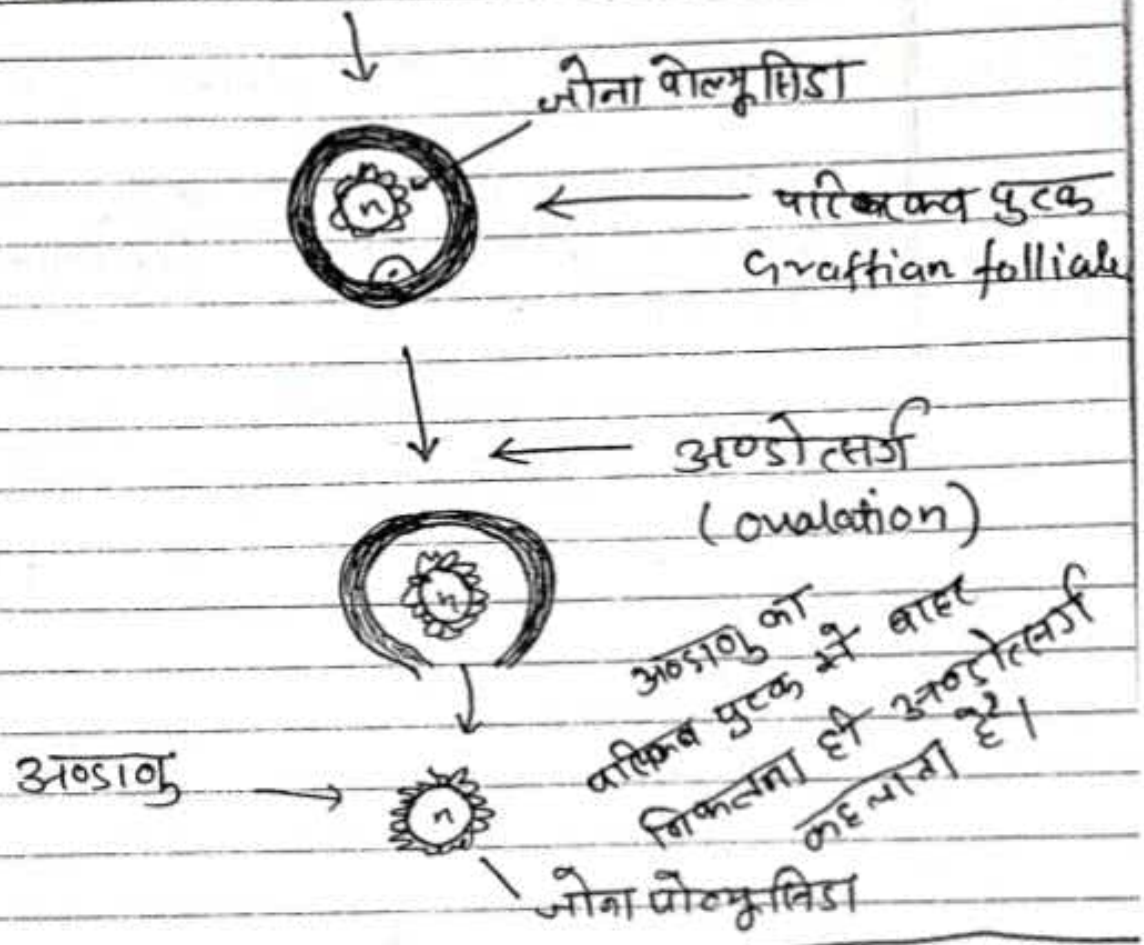


physicshindi.com

# अण्डाणुजनन [OOGENESIS]

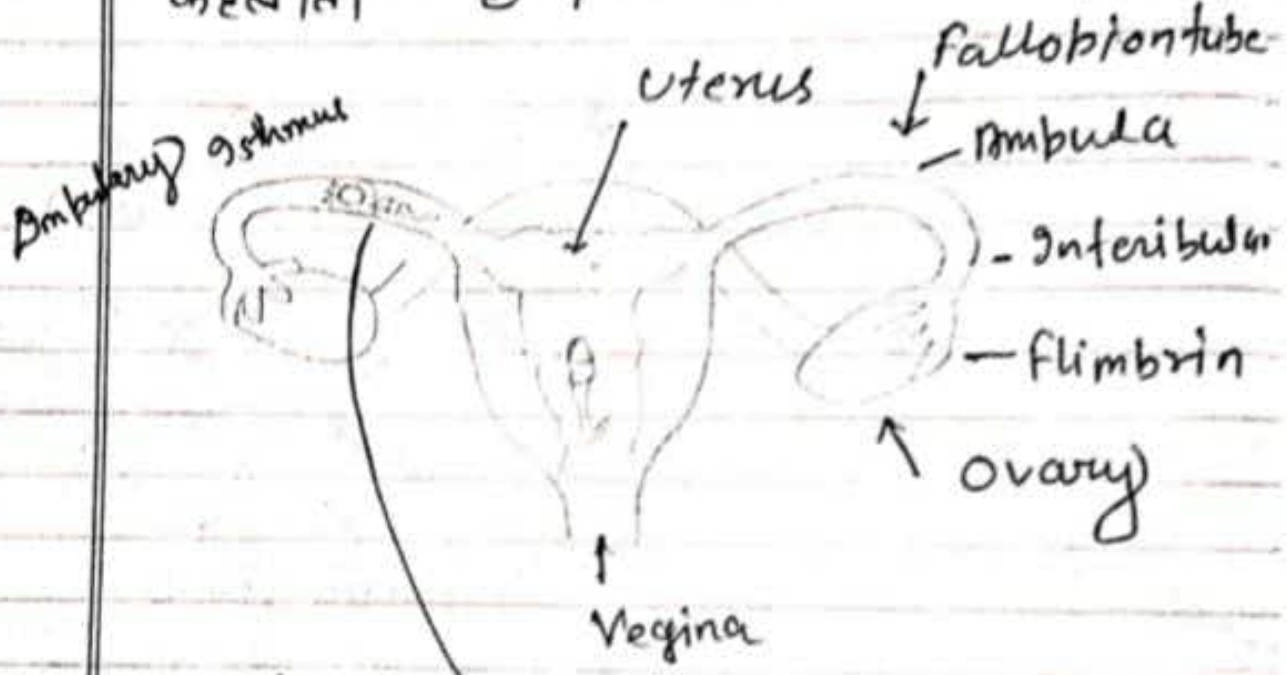
अण्डाणुजनन में अण्डाणु के निर्माण की प्रक्रिया अण्डाणुजनन कहलाता है



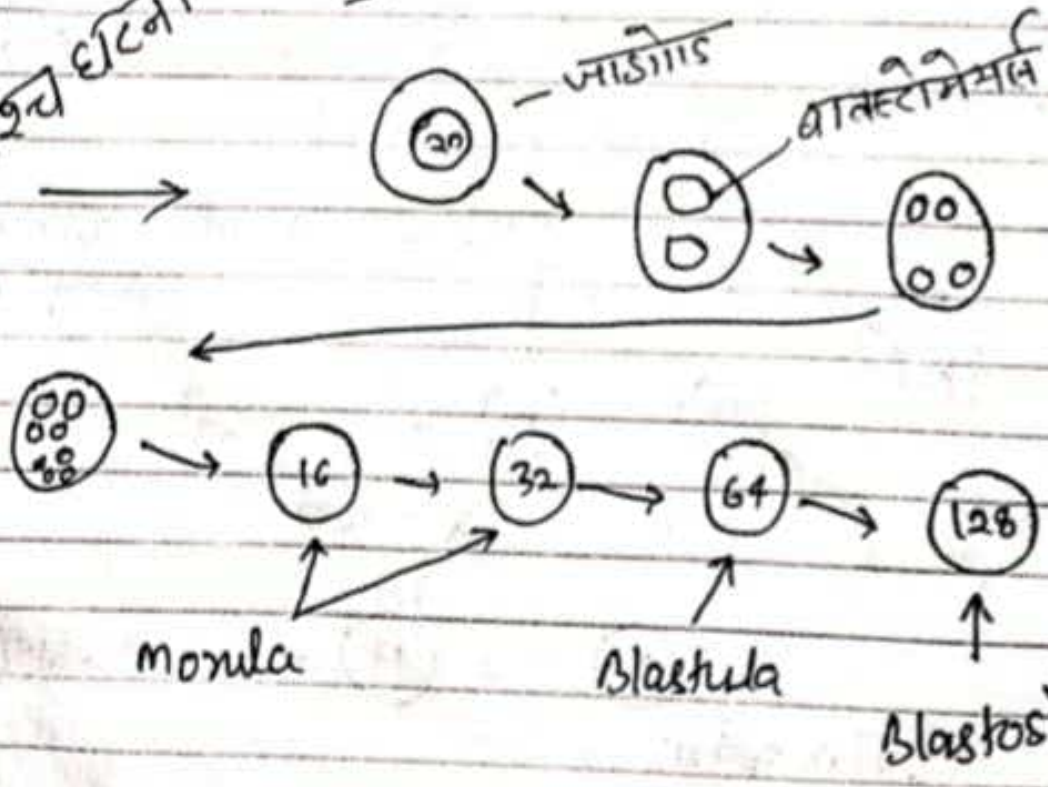


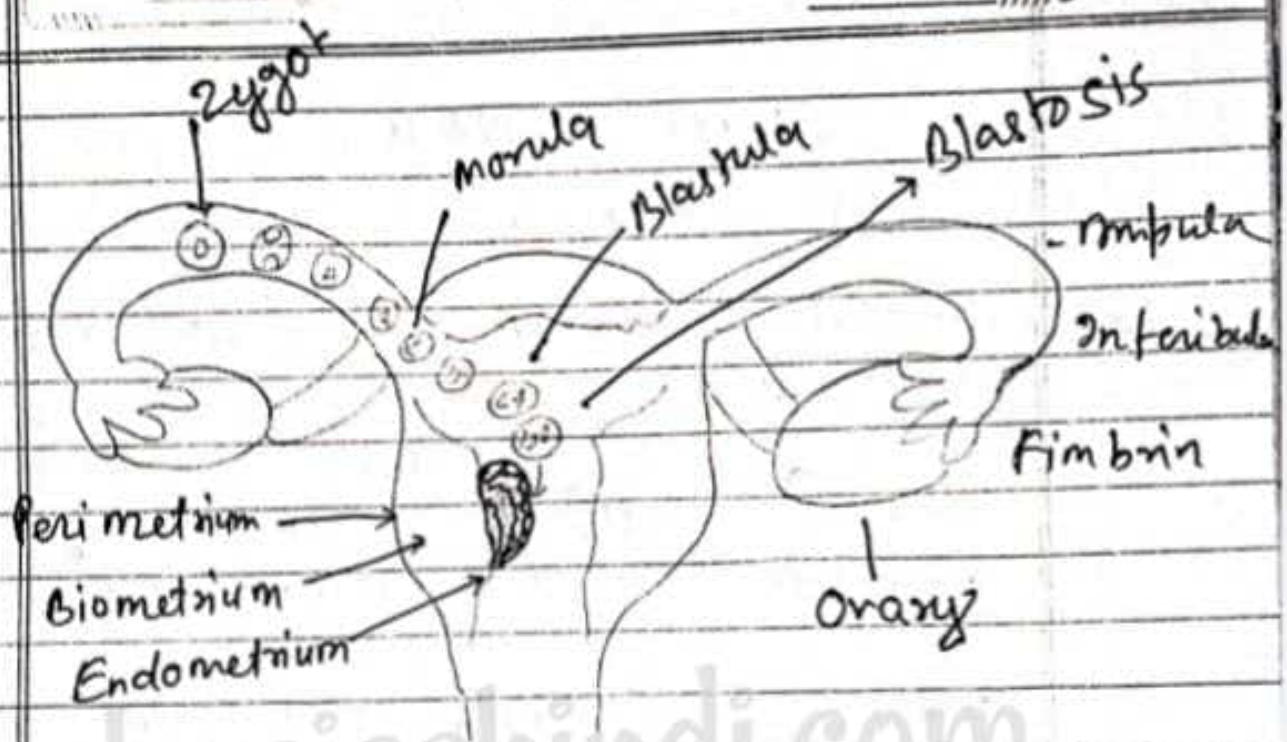
[20] निषेचन [fertilization]

शुक्राणु का अण्डाणु के साथ संलयन की प्रक्रिया निषेचन कहलाती है।



निषेचन प्रश्न घटना





अन्तरोपण या प्रधारोपण

[Implantation]

गर्भाशय के अन्तर्भाग पर चिपकना ही अन्तरोपण कहलाता है।  
 वास्तुसित का